7369

आपका अनुक्रमांक..................................

A

M.A. / II

SANSKRIT - Course 15 (Group I)

(Bharatiya Jyotisa S astra)

समय : 2 घण्टे

पूर्णांक : 50

(इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित सीन पर अपना अनुक्रमांक लिखिए)

Note – Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी – अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिये।

1. यदि पंक्तिस्थ मङ्गल 02 - 12°- 31′ - 19″, चालन धन 09 –10 तथा मार्गी मङ्गल की दैनिक गति 36′- 57″ हो तो स्पष्ट मङ्गल का आनयन कीजिए।

Calculate the true longitude of Mars, if Mars (paṅktistha) is 02 - 12°- 31′- 19″, calana 09 -10 (plus) and Direct Mars's daily motion is 36′- 57″.

अथवा (Or)

स्वकल्पित उदाहरण द्वारा निम्न पद्य को स्पष्ट कीजिए :

Explain the following verse choosing your own example :

पंक्तिः स्वेष्टाद् भवेदग्रे पंक्त्यामिष्टं विशोधयेत्।

तच्चालनमृणं ज्ञेयं व्यत्यये व्यत्ययं विदुः॥

8

2. यदि स्पष्ट निरयण सूर्य 04 – 18° 45′- 43″, अयनांश 23° - 58′- 32″, इष्टकाल 10 घटी 05 पल तथा मेषादि राशियों के उदयमान क्रमशः 213, 247, 300, 344, 351, 345, 345, 351, 344, 300, 247 व 213 हो, तो लग्नानयन की विधि का उल्लेख करते हुए स्पष्ट निरयण लग्न साधन कीजिए।

Mentioning the formula of ascendant, calculate the nirayaṇa ascendant if true longitude of Sun (nirayaṇa) is 04 – 18° – 45′- 43″, ayanāṁśa 23° – 58′- 32″, iṣṭakāla 10 ghaṭis and 05 palas, svodayamāna of twelve zodiac signs (starting from Aries) are 213, 247, 300, 344, 351, 345, 345, 351, 344, 300, 247 and 213.

अथवा (Or)

यदि स्पष्ट निरयण सूर्य 04 – 18° 18′- 16″, अयनांश 24° - 00′- 00″, पूर्वनत काल 04 घटी 36 पल तथा मेषादि राशियों के लङ्कोदयमान क्रमशः 279, 299, 322, 322, 299, 279, 279, 299, 322, 322, 299 व 279 हो, तो दशम लग्नानयन की विधि का उल्लेख करते हुए स्पष्ट निरयण दशम लग्न साधन कीजिए।

Mentioning the formula of Tenth ascendant, calculate the nirayaṇa tenth ascendant if true longitude of Sun (nirayaṇa) is 04 – 18° 18′- 16″, ayanāṁśa 24° - 00′ - 00″, pūrva natakāla 04 ghaṭis and 36 palas, laṅkodayamāna of twelve zodiac signs (starting from Aries) are 279, 299, 322, 322, 299, 279, 279, 299, 322, 322, 299 and 279 3 +7

3. यदि जातक का जन्म 05 सितम्बर, 2009 को, इष्टकाल 10 घटी 05 पल तथा जन्म नक्षत्र पूर्वाभाद्रपद, भयात 22 घटी 25 पल तथा भभोग 64 घटी 19 पल हो, तो विंशोत्तरीदशाचक्र का निर्माण कीजिए।

Prepare a chart of Viṁśottarīdaśā If a native is born on 05th September 2009, iṣṭakāla - 10 ghatis 05 palas, bhayāta – 22 ghatis 25 palas and bhabhoga is 64 ghatis and 19 palas.

अथवा (Or)

नैसर्गिक और तात्कालिक मैत्री से क्या अभिप्राय है? निम्नलिखित जन्मकुण्डली को देखते हुए तात्कालिक मैत्री तथा पञ्चधामैत्रीचक्र का निर्माण कीजिए।

What is the meaning of naisargika and tātkalika maitrī? Prepare a chart of pañcadhā maitrī by observing the following birth chart.

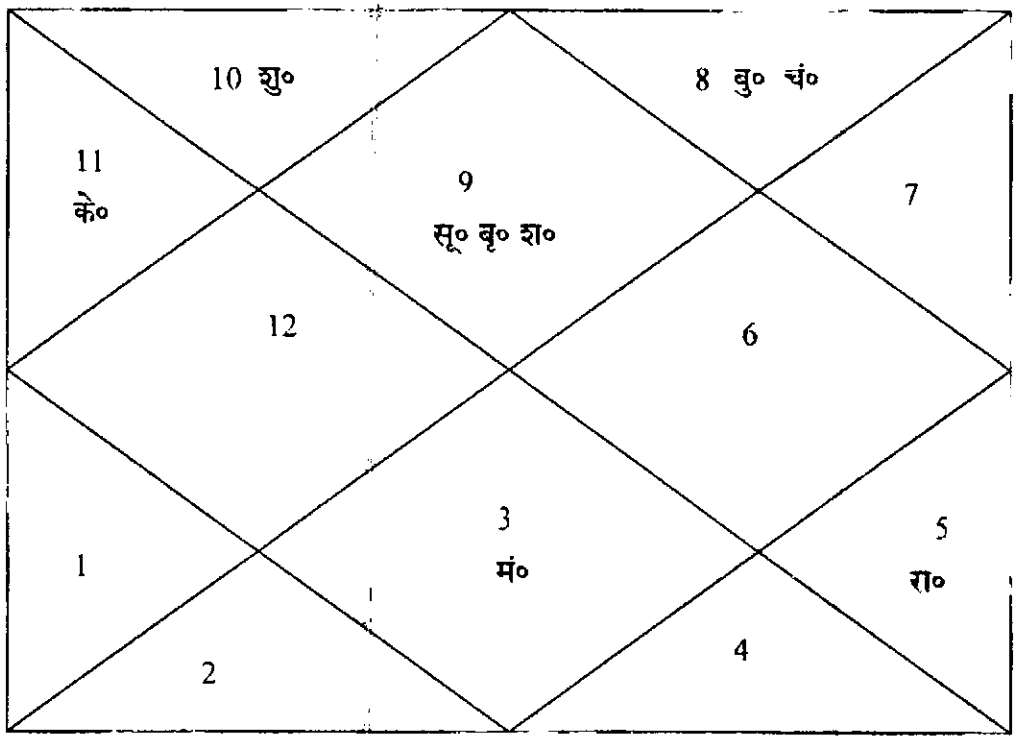

8

4. वर्षकुण्डली में त्रिराशिपति का क्या प्रयोजन है, स्वकल्पित उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

Choosing your own examples, discuss the purpose of Trirāśipati in varṣa kuṇḍalī.

अथवा (Or)

वर्षकुण्डली में वर्षेश का निर्णय किस प्रकार किया जाता है, उसकी भूमिका और प्रयोजन को उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

How the Lord of Year is decided in Varṣa Kuṇḍalī? What is its role and purpose, discuss with proper illustrations.

9

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए, जिनमें से एक संस्कृत में हो :

Write short notes on **any three** of the following, out of which one should be in Sanskrit :

(i) भद्रा

Bhadrā

(ii) क्रान्ति

Declination

(iii) चरखण्ड

Carakhaṇḍa

(iv) होरा कुण्डली

Horā Chart

(v) मुद्दादशा

Muddādaśā

(vi) चलितकुण्डली

Calita chart

5 + 5 + 5